Nai Dunia (Indore), 09th January 2022, Page-5

आंत्रप्रेन्योर को आइआइएम और आइआइटी दे रहे आत्मनिर्भरता का मंत्र

अच्छी पहल : स्टार्टअप को गति देने के लिए उत्पाद तैयार करने से लेकर फंडिंग तक की व्यवस्था में मदद कर रहे दोनों संस्थान

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के युवाओं में आंत्रप्रेन्योरशिप का कौशल बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। आइआइटी में इस समय करीब छह स्टार्टअप काम कर रहे हैं। संस्थान इन स्टार्टअप से जुड़े युवाओं को उत्पाद तैयार कराने से लेकर अनुभवी शिक्षकों की सलाह भी उपलब्ध करा रहे हैं। फंडिंग के लिए भी संस्थान काम कर रहे हैं। आइआइएम ने दो वर्ष में करीब 20 स्टार्टअप को फंडिंग दिलाने में मदद की है। आइआइएम इंदौर द्वारा

हर वर्ष स्टार्टअप के लिए आइ-5 समिट आयोजित की जा रही है। 2020 से आइआइटी इंदौर भी समिट में शामिल हो गया है। अब दोनों संस्थान स्टार्टअप की मेंटरशिप कर रहे हैं। आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय का कहना है कि कोरोना के बाद कई नए क्षेत्र सामने आए हैं जिनमें काम करने की जरूरत है। आनलाइन सेवाओं के काम बढ़ गए हैं। जरूरत को ध्यान में रखकर जो स्टार्टअप शुरू हुए हैं उन्हें अगर सही समय पर सलाह मिल जाए तो सफल होने की उम्मीद बढ़ जाती है। हम आइ-5 समिट के तहत बेहतर स्टार्टअप की तलाश करते हैं और युवाओं को फंडिंग करने वाले उद्योगपतियों से रूबरू कराते हैं। उन्होंने बताया फंड्स फार एसएमई, कृषक कल्याण, स्मार्ट फेब टेक्नोलाजी और कई स्टार्टअप आइआइटी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। आइआइटी इंदौर में इस समय 15 स्टार्टअप काम कर रहे हैं।

शहर की स्टार्टअप कम्युनिटी को जोड़ेंगे

आइआइएम के निदेशक प्रो. राय का कहना है कि हमारे संस्थान के कई विद्यार्थी नौकरी नहीं करना चाहते। वे अपने खुद का स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, उन्हें भी हम सभी तरह की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। आने वाले दिनों में इंदौर में काम कर रही स्टार्टअप कम्युनिटी के संचालकों से भी मिलेंगे और उन्हें जोड़ेंगे। युवाओं की समस्याओं को दूर करने की कोशिश मिलकर करेंगे।